

बाल भारतीय पब्लिक स्कूल
गंगाराम अस्पताल मार्ग
सत्र - 2013-14
कक्षा - आठ
विषय - हिंदी
नियत कार्य संख्या - 5

FA-3

पाठ्यपुस्तक : पञ्चान्त
व्याकरण : पर्यायवाची, लोकोक्ति
अशुद्ध वाक्यों का संशोधन

- प्र०1. एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए।
- (क) जगतसिंह को स्कूल जाना किसके समान अप्रिय था ?
(ख) जगतसिंह के लिए मनोरंजक विषय कौन-कौन से थे ?
(ग) भगतसिंह को जगतसिंह के कारण कौन-कौन सी
हानियाँ उठानी पड़ी ?
(घ) मुंशी भगतसिंह पर किसका मुख्यमा यावर हो गया ?
(ङ) कप्तान ने कौन-सी बात देखकर जगतसिंह को फौज
में भर्ती कर लिया ?
(च) जगतसिंह कौन-से दिन को आस लगाए बैठा था ?
(छ) सैनिक अफसर को देखते ही भगतसिंह ने अपने मन
में क्या कहा ?
(ज) अन्त में जगतसिंह ने क्या किया ?
- प्र०2. किसने किससे कहा ?
- (क) "बिलकुल नहीं राजपूत हूँ।"
(ख) "घर पर है ही कौन ?"
(ग) "तो क्या यहीं पड़े रहेंगे ?"
(घ) "अगर ये लोग निकाल न देंगे, तो यहीं पड़ा रहूँगा।"
- प्र०3. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द दौटकर करें।
- (क) उन्होंने कितनी ही बार उसे बड़ी — से
पीटा। (सह्ययता/निर्दयता)
(ख) उसे स्नेहमयी माता की याद आने लगी, जो पिता के प्रौढ़,
बड़ों के चिन्कार और स्वर्जनों के — से उसकी रक्षा
करती रहती थी। (सम्मान/तिरस्कार)

(ग) किंतु बूढ़ा भगतसिंह अपनी अँधेरी कोठरी में सिर झुका
बैठा हुआ है। (उसन्न/उदास)

प्र०५. उचितवर्तनी पर सही का चिह्न लगाइए।

- (क) स्मृतियाँ, स्मृतियाँ, समृतियाँ
(ख) आशीर्वाद, आशीर्वाद, आशीर्वाद
(ग) परामर्श, परामर्श, परामर्श

प्र०६. शब्द के उचित अर्थ पर (✓) का चिह्न लगाइए।

- (क) देहात — (शहर/गाँव)
(ख) विक्षिप्त — (पागल/दयालु)
(ग) फिटन — (छोड़ा-गाड़ी/बैल-गाड़ी)
(घ) कवायद — (भ्रमण/व्यायाम)

प्र०७. उचित पर्यायवाची पर (✓) का चिह्न लगाइए।

- (क) देवता — (मनुष्य/सुर)
(ख) दास — (स्वामी/नौकर)
(ग) शुद्ध — (रण/शान्ति)

प्र०८. अनुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए।

- (क) शीला बहुत आज्ञाकारी है।
(ख) मेरे को अभी बाज़ार जाना है।
(ग) मैं मेरा काम करता हूँ।
(घ) संतरा खोल दो।

प्र०९. उचित लोकोक्ति पर (✓) का चिह्न लगाइए।

- (क) अंत मले का मला — { अच्छे का परिणाम अच्छा होता है।
अच्छे का परिणाम बुरा होता है। }
(ख) अपना हाथ जगन्नाथ — { परिश्रम में शक्ति होता है।
परिश्रम में शक्ति नहीं होता है। }
(ग) आम के आम गुठलियों के दाम — { तिगुना लाभ
दोहरा लाभ }
(घ) ईश्वर की माया कहीं चूप कहीं दहा — { माय की विविधता
माय की विचित्रता }
(ङ) खोदा पहाड़ निकली चुटिया — { परिश्रम अधिक, फल कम
परिश्रम कम, फल अधिक }